IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, October 2025
Impact Factor: 7.67

शासकीय एवं अशासकीय योजनाओं का महिलाओं के सामाजिक आर्थिक विकास पर प्रभाव

अनूपा साकेत

शोधार्थी (समाजशास्त्र), शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, (म.प्र.)

डॉ. महानन्द द्विवेदी

प्राध्यापक समाजशास्त्र, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

शोध सारांश :–

स्वतंत्र भारत की आजादी के पश्चात् महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के अनुभवों के आधार पर समुन्नत, सुदृढ़ और सशक्त भारत की कल्पना की थी। अपने अनुभवों के आधार पर अपने चिंतन पर आधारित उन्होनें एक ऐसे देश के रुप में भारत को देखना चाहा था जिसकी शासन व्यवस्था के संचालन नीति–निर्धारण जैसे अत्यन्त महत्वपूर्ण मुद्दे में ग्रामीण अंचल की प्रभारी भूमिका की कल्पना थी। अपनी इस कल्पना को मूर्त रूप देने के लिए उन्होंने ग्राम स्वराज की अवधारणा का प्रतिपादन किया, इसे संचालित करने की इकाई के रूप में उन्होंने ग्रामीण जनों की सहभागिता से गठित कर सामाजिक आर्थिक विकास के प्रभावों का अध्ययन किया गया।

मुख्य शब्द : शासकीय, अशासकीय, योजनाओं, महिलाओ, सामाजिक, आर्थिक, विकास, आदि।